हडिन नदी में प्रदूषण

[स्रोत: डाउन टू अर्थ]

यमुना की वर्षा आधारित [सहायक] नदी हडिन **नदी** [अनुपचारित अपशिष्ट] के नाले में बदल गई है, जो [पर्यावरणीय क्षरण का] प्रतीक है तथा पश्चिमी उत्तर प्रदेश में इसके औद्योगिक क्षेत्र के समुदायों के लिये खतरा उत्पन्न कर रही है।

- हडिन नदी उत्तर प्रदेश के सहारनपुर ज़िले में [निम्न श्विालिक श्रेणी] से निकलती है और पश्चिमी उत्तर प्रदेश के औद्योगिक क्षेत्र से होकर बहती है तथा नोएडा में [यमुना में मिलने से पहले 400 किलोमीटर की दूरी तय करती है।]
- नदी की प्रमुख सहायक नदियों में शामिल हैं: **काली (पश्चिमी) नदी और कृष्णी नदी।**
- ऐतिहासिक रूप से, हडिन नदी पश्चिमी उत्तर प्रदेश में[कृषि] और [मत्स्य पालन] **के लिये उपयोगी रही है। लेकिन** [औद्योगिकीकरण] तथा [शहरीकरण ने] इसके पारिस्थितिक संतुलन को नष्ट कर दिया है।
- वर्ष 2015 में [केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (CPCB) ने] हडिन नदी को "[मृत नदी]" घोषित कर दिया था, जिसमें कहा गया था कि इसमें प्रदूषण का स्तर अत्यधिक है, विभिन्न भागों में यह स्नान के लिये अनुपयुक्त है।
    - मृत नदी वह जल निकाय है जो अत्यधिक प्रदूषण या पर्यावरणीय क्षरण के कारण**जलीय जीवन और पारिस्थितिकी तंत्र के कार्यों को सहारा देने की अपनी क्षमता खो चुकी है।**

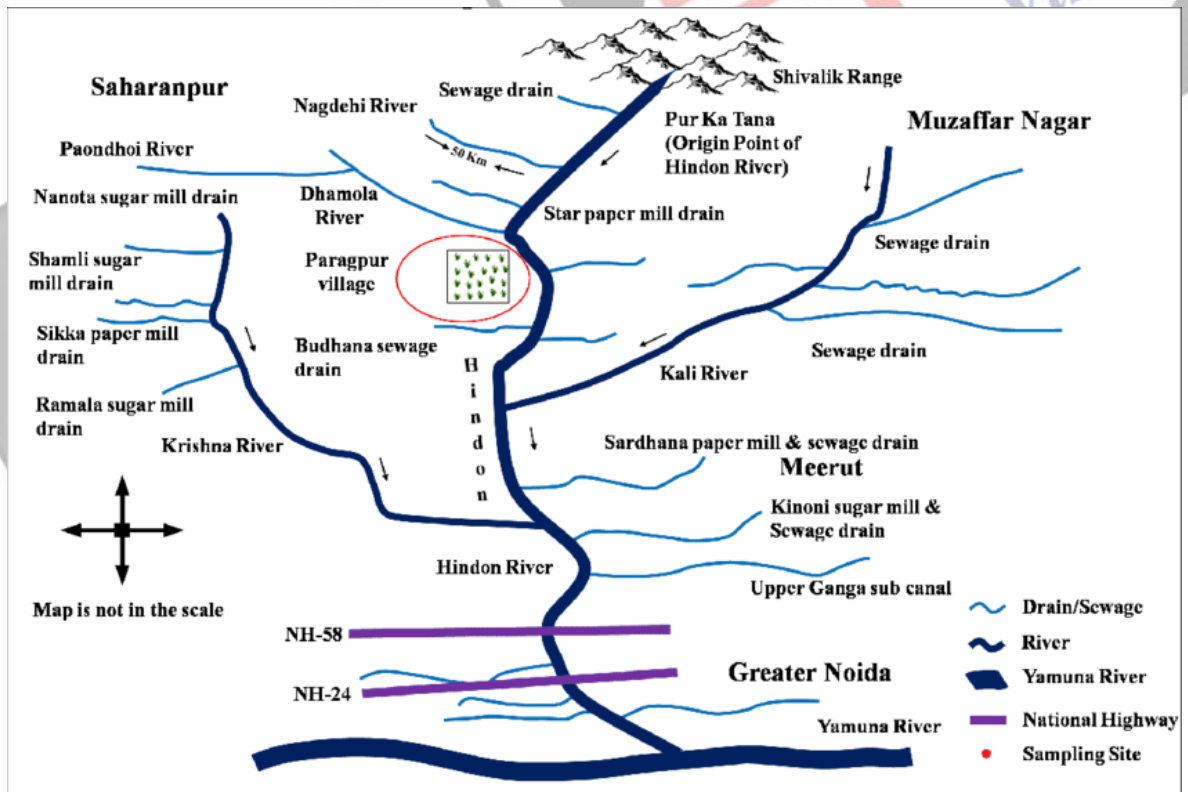

और पढ़ें...

[यमुना नदी]

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/pollution-in-hindon-river